दिव्य ज्योति

गुरुदेव हमारा प्यारा का पद ४

मुक्तानन्द कहे सब आओ,
श्रीगुरुदेव नाम नित गाओ।
हो भवभय से पार,
है जीवन को आधार।

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।